

यस्मिंस्तस्मिन् *Mān.* P. 123, 32. यदा तदा परद्रव्यम् *M.* 12, 68. यदा तदा — साधु वा गर्हितं वा — कर्म *Spr.* 2396. यदा तदा भाषताम् als Erkl. von प्रलपतु Schol. zu *Çāk.* 23, 14. यदा तदास्तु *Dhōrtas.* in *LA.* 75, 9. — c) mit dem interrog. क् and einer nachfolgenden Partikel: α) यः कश्च *wer* —, *welcher immer, der erste beste, gleichviel wer, — welcher, beliebig*: एवा दृक् षो अस्मिधुर्दुर्मन्मा कश्च वेनेति *RV.* 8, 49, 7. यस्यै कस्यै च देवतापि *Çat.* Br. 1, 6, 3, 19. य एव कश्च 1, 4, 13. 4, 6, 6, 5. याम् — का च 1, 8, 1, 9. ये के च धातरः स्य *Çākh.* Çr. 15, 26, 1. इदं सर्वं यदिदं किं च *Çat.* Br. 14, 4, 2, 25. 3, 3, 3, 3. यत्किं चेदम् *RV.* 7, 89, 5 (vgl. *M.* 11, 252, wo eben so zu lesen ist). यानि कानि च मित्राणि कर्तव्यानि शतानि च *Spr.* 2472. अतः परं न दातव्यं यस्मै कस्मै च *Pañāb.* 2, 1, 16. याश्च काश्च कुदृष्टयः *M.* 12, 95. यद्यत्किं च *Āçv. Gṛh.* 1, 22, 15. — β) यः को ऽपि dass.: येन केनाप्युपायेन *MBh.* 3, 3038. *Spr.* 2501. — γ) यः कश्चित् dass. *M.* 2, 7, 3, 69. 193. ये कोचित् 2, 123. 8, 62. 9, 271. ये च केचिन्निरिन्द्रियाः 201. ये तु तत्र विनिर्मुक्ताः सार्यात्केचिद्विजिताः *MBh.* 3, 2552. कर्मणा येन केनचित् *Spr.* 4893. *M.* 8, 279. तुष्येस्त्वं येन केनचित् *R. Govr.* 2, 100, 3. प्राणिना यस्य कस्यचित् *Kāthās.* 96, 31. यस्मै कस्मैचित् *Hir.* 11, 5. यत्किंचित् *Çākh.* Çr. 16, 20, 2. *M.* 1, 100. 3, 273. 4, 117. 8, 405. 9, 115. *R.* 1, 3, 38. यदुक्तां किंचित् — तत्सर्वम् *M.* 3, 191. 7, 94. fg. यच्च सातिशयं किंचित् 9, 114. यद्या यद्यद्यत् किंचित्सत्यं संपद्यते हि तत् *Kāthās.* 3, 50. यच्चान्यत्किंचिदीदृशम् *M.* 1, 45. यद्यद्धि कुरुते किंचित्तत्कामस्य चेष्टितम् 2, 4. — δ) यः कश्चिदापि dass. *Spr.* 4754. यानि कानिचिदपि *R.* 3, 53, 48. यत्किंचिदपि दातव्यं याचितेनानसूया *Spr.* 4766. *M.* 7, 137. im comp.: यत्किंचिदपिसंकल्पात् gegenüber नाकिंचिदपिसंकल्पात् *Verz. d. Oxf. H.* 232, b, 32. — ε) यः कश्चन dass.: जना ये तत्र केचन *MBh.* 3, 2522. im comp.: यत्किंचनप्रलापिन *R.* 4, 17, 4. — ζ) यः को वा dass.: प्रूद्रस्तु यस्मिन्कस्मिन्वा देशे निवसेत् *M.* 2, 24. संतुष्ट्या येन केन वा *Brah.* P. 4, 31, 19. — d) mit लट् (vgl. u. 3. ल): प्रूद्रोस्त्वयस्वत् oder sonst wen *Çat.* Br. 5, 3, 2, 2. क्लामकृदयं लब्धत् 4, 3, 4, 6. 13, 8, 1, 5. 2, 1. — 2) यो ऽहम् (त्वम् u. s. w.) *der ich (du u. s. w.)* so v. a. *da ich*: किं नु दुःखतरं शक्यं मया द्रष्टुमतः परम् । यो ऽहमस्य नरव्याघ्रान्मुत्तान्पश्यामि भूत्से ॥ *MBh.* 1, 5909. 3, 2570. कृत्स्नप्राप्तमहं मन्ये स्वर्गं तव — यस्त्वं काशिकमागम्य शरण्यः शरणां गतः *R.* 1, 39, 5. अथैव जहि माम् — यः शरणीकपुत्रं मां त्वमकार्षिपुत्रकम् *Daç.* 2, 50. जीव वर्षायुतं मुञ्जी । यो मे वितरसि प्राणानधिष्ठानं च *MBh.* 3, 3057. असाधुदर्शी बलु तत्रभवान्काण्ययः । य (यद् v. l.) श्मामाश्रमधर्मे नियुङ्गे *Çāk.* 9, 12. fg. सफलः कृत्स्न संकल्पः सिद्धिश्च निपता मम । यस्य मे त्वं कृषीकेश यथोचितमुपस्थितः ॥ *MBh.* 2, 1229. *R.* 1, 47, 22. *Vikr.* 35. *Hir.* 99, 12. परित्यक्ता वसिष्ठेन किमहम् — यारुं राजभैरविना क्रियेय *dass ich* 54, 3. — 3) *wenn Jemand*: यो नो वृकताति मर्त्या रिपुर्दधे वंसवो रत्नता रिषः *RV.* 2, 34, 9. स्त्रियं स्पृशेदेशे यः स्पृष्टो वा मर्षयेत्तया । परस्परस्यानुमते सर्वं संग्रहणं स्मृतम् ॥ *M.* 8, 358. यश्च यदचनं ब्रूयात् — तत्सर्वम् — ममाख्येयम् *R.* 1, 59, 8. यः कामानामुपात्सर्वान्यश्चैतान्केवलास्त्यजेत् । प्रायणात्सर्वकामानां परित्यागो विशिष्यते ॥ *Spr.* 4756. यस्तु सूर्येण निष्टप्तं गाङ्गियं पिबते जलम् । गवां निर्द्वारनिर्मुक्ताद्यावकातद्विशिष्यते ॥ 4845. यस्य so v. a. *si cujus*, याम् so v. a. *si quam*: श्रेयवाताहृतं बीजं यस्य क्षेत्रे प्रोक्तं । क्षेत्रिकस्यैव तद्वीजम् *M.* 9, 54. या (अज्ञाम्) प्रसस्य वृको हन्यात्पाले तत्काल्त्वषं भवेत् 8, 235. fg. *Dass* यः in Wirklichkeit nicht *wenn Jmd* bedeutet, dass vielmehr in allen angeführten Beispielen eine Anakolutie anzunehmen

ist, braucht wohl kaum bemerkt zu werden. — 4) m. Synonym von पुरुष *Tattvas.* 19. — Vgl. यतम, यतर, यतस्, 1. पति, यत्र, यथा, यद्, यदा, यदि, यर्हि, यस्मात्, 1. यात्, यामिन्, यावत्, येन.

2. य 1) m. = गत्तर, वायु, यमन *Med.* j. 1. = वायु, यशस्, योग, यान, यातर *Çabdār.* im *ÇKDr.* *fame, celebrity; barley; light, lustre; abandoning*; *Jama* (vgl. *Verz. d. Oxf. H.* 189, a, No. 431) *ANĒKĀRTHAK.* bei *Wilson.* — 2) f. या यात्रातिधूमितत्यागेषु, वारणयोगसमज्ञायानेषु *Med.* *going, proceeding; a car, carriage; prohibiting, restraining, checking; religious meditation; getting, obtaining* *Wilson* nach *ders. Aut.*; *pudendum muliebrem* *ders.* nach *ANĒKĀRTHAK.*

यर्कं pron. rel. so v. a. 1. य. चित्र इन्द्राज्ञा राज्ञका इन्द्र्यके यके सर्गस्वतीमनु *RV.* 8, 21, 18. यकः *VS.* 23, 23. यका 22. *P.* 7, 3, 45. *Vop.* 4, 6.

यकन् s. यकृत्.

यकार m. *der Buchstabe* यः यकारादिपद n. *ein mit य anlautendes Wort* euphemistisch für *eine Form* von यम् *Kāvīād.* 1, 65.

यैकृत् n. *Ugéal.* zu *Uñādis.* 4, 58. *Siddh.* K. 251, a, 8. *Trik.* 3, 5, 8. यकन् neben यकृत् in einigem Casus *P.* 6, 1, 63. *Vop.* 3, 39, 165. *Leber* *AK.* 2, 6, 2, 17. *H.* 604. *Halāi.* 3, 13. यकृत् *RV.* 10, 163, 3. यकृत् *VS.* 39, 8. यकृत् (nom. sg. und am Anf. eines comp.) 19, 85. *AV.* 9, 7, 11. 10, 9, 16. *Çat.* Br. 10, 6, 4, 1. 12, 9, 1, 3. 15. *Kāth.* Çr. 6, 7, 6. *Suçr.* 1, 43, 12. 77, 15.

शाणितस्य स्थानं यकृत्स्नीकृत्नो 79, 9. 2, 313, 16. *Verz. d. Oxf. H.* 316, b, 3. यकृत्स्नकपितस्य स्थानं रञ्जकसंश्रयम् *Çāñg.* *Sāñh.* 1, 5, 21. यकृन्मेदस् n. sg. *Leber und Fett* गवाश्चादि zu *P.* 2, 4, 11. यकृद्वा *Suçr.* 1, 41, 3. 259, 6. यकृति 276, 9. यकृत्स् 2, 340, 2. यकृत्स् *Nir.* 4, 3. — Vgl. याकृत्क.

यकृदात्मिका (von यकृत् + आत्मन्) f. *eine Art Schabe* (तैलपायिका) *Çabdāk.* im *ÇKDr.*

यकृद्दर (यकृत् + उ°) n. *Leberanschwellung* *Wise* 357.

यकृद्दाल्य n. dass. *Suçr.* 1, 360, 17. 2, 89, 19.

यकृद्दाल्यदर (यकृत् + दालिन् + उ°) n. dass. *Suçr.* 1, 276, 9. 360, 17 nach der Berliner Hdschr.

यकृद्दिरिन् (यकृत् + वै°) m. *Andersonia Rohitaka Roxb.* *Çabdāk.* im *ÇKDr.*

यकृद्दोम (यकृत् + लोमन्) *gaṇa* पल्ल्यादि zu *P.* 4, 2, 110. m. pl. *N.* pr. eines Volkes *MBh.* 4, 144. °लोमन् 6, 353 (*VP.* 188; vgl. II, 166). — Vgl. याकृद्दोम.

यन्, यतति wohl mit der Grundbedeutung *sich regen, sich rühren*; auf diese Wurzel gehen zurück यत्, यत्, इयन्; vgl. 1. यत्. Das simpl. यत्नामम् *R.* 7, 4, 12. fg. zur Erklärung des Namens यत्; nach dem Schol. *ehren, welche* Bed. *Dhātup.* 33, 19 der Form यत्नयते ertheilt wird.

— प्र *vorwärts eilen, — streben.* धने कृते तर्हृषत् अयस्यवः प्र यत्नत् अयस्यवः *RV.* 1, 132, 5. *nachstreben einer Sache, erstreben, erreichen* (mit acc.): प्रयत्नं जिन्यं वसु 2, 3, 1. प्रयत्नम् *Paḍap.*, प्रयत्नं प्रकर्षणा पूज्यम् *Sā.* दीर्घमायुः प्रयत्ने 3, 7, 1. मृकृत्पुत्रां अर्हृषस्यं प्रयत्ने 31, 3. — Vgl. प्रयत्न.

1. यत् (von यत्) 1) n. *ein lebendes oder übernatürliches Wesen; eine unkörperliche, geisterhafte Erscheinung, Ding, Spukgestalt*: न यासु चित्रं दृश्ये न यत्नम् *unter denen nicht Gestalt und Wesen sichtbar ist d. h. welche unsichtbar sind* *RV.* 7, 61, 5. तस्मिन्किरणयुगे कोशे यद्यत्तमात्मन्वत्तद्द्वि ब्रह्मविदे विडः *das lebendige Ding* *AV.* 10, 2, 32. 8, 43. मृकृद्यत्तं भुवंस्य मध्ये 7, 38. 8, 15. 8, 9, 25. 11, 6, 10. यदपूर्वं यत्नयत्तः प्रजानाम् *VS.*